RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार, 22 फरवरी 2023 वर्ष 04 अंक 264 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

राउत को मिली जान से मारने की धमकी!

CM एकनाथ शिंदे के बेटे ने दी सुपारी

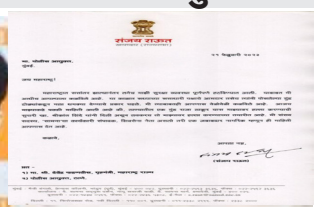

मुंबई : शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि, उन्हें शिंदे गुट से मौत की धमकी मिल रही है। स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, राउत ने यह भी आरोप लगाया था कि, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे ने ही उन्हें मारने की सुपारी दी थी। ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के लिखे एक पत्र में यह आरोप लगाए है। राउत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि श्रीकांत शिंदे ने उन्हें मारने के लिए एक गुंडे राजा ठाकुर को काम पर रखा है। 21 फरवरी को देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक पत्र में उन्होंने लिखा, पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में जनप्रतिनिधियों पर धमकियों और हमलों में वृद्धि हुई है और कहा कि यह महाराष्ट्र की परंपरा नहीं है। उन्होंने यह भी लिखा, महाराष्ट्र में सत्ता हस्तांतरण के बाद मेरी सुरक्षा के सारे इंतजाम हटा दिए गए। मुझे इसकी कोई शिकायत नहीं है। इस तरह के राजनीतिक फैसले लिए जाते हैं। जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सरकार का मामला है और गृह मंत्री के रूप में आप ऐसा करने के लिए सक्षम हैं।

महाराष्ट्र में BJP का 'स्पेशल प्लान 40'

ठाकरे की विरासत पर कब्जे की तैयारी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच जारी लड़ाई के बीच बीजेपी ने राज्य की सभी 48 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए 'स्पेशल प्लान 40' को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है. दरअसल, बीजेपी को भी पता है कि भले ही शिंदें गुट को शिवसेना का नाम और निशान मिल गया है, पर क्या वाकई महाराष्ट्र की जनता उनको असली शिवसेना स्वीकार करेगी? या नहीं. इसमें अभी संशय है, क्योंकि ये चुनावों के बाद ही पता चलेगा.

ऐसे में बीजेपी ने महाराष्ट्र में कम से कम 40 लोकसभा सीटें जीतने का प्लान तैयार किया है ताकि 45 सीट जीतने के टारगेट को पार कर सके. इन 40 सीटों में बीजेपी की मौजूदा 22 सीटों के साथ 18 वो सीटें शामिल है जो बीजेपी के लिए कठिन है या जीत का मार्जिन बेहद कम रहा है. वैसे तो बीजेपी की मौजूदा 23 सीटें हैं पर इनमें से एक सीट बीजेपी अपने लिए कमजोर मान रही है जिस पर जीत का मार्जिन कम था.

बीजेपी का 48 सीटें जीतने का टारगेट

बीजेपी ने इन सीटों पर जीत की जिम्मेदारी अपने केंद्रीय मंत्रियों को दी है. इसके अलावा अमित शाह, जेपी नड्डा समेत अन्य वरिष्ठ मंत्रियों के इन सीटों पर दौरे तेज होंगे. इसके अलावा पीएम मोदी के भी इन सीटों के इर्द गिर्द सरकारी कार्यक्रम कराने की तैयारी है. महाराष्ट्र दौरे के दौरान लोकसभा की सभी 48 सीटें जीतने का टारगेट देकर अमित शाह ने अपने इरादे जाहिर कर भी दिए हैं. इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बीजेपी ने उन 18 लोक सभा सीटों के लिए स्पेशल प्लान बना लिया है, जो उसके लिए काफी कमजोर है.

बीजेपी ने राज्य की कुल 48 में से जिन 18 कमजोर सीटों को लेकर स्पेशल प्लान बनाया है उनमें से 4 सीटों पर एनसीपी, 3 पर उद्धव ठाकरे गुट और 1-1 सीट पर कांग्रेस और ओवैसी की पार्टी यानी 9 सीटों पर विपक्षी दलों का कब्जा है. बाकी बची सीटों में से 8 पर शिंदे गुट और 1 पर स्वयं बीजेपी का कब्जा है. इन 18 सीटों में शरद पवार परिवार का गढ़ बारामती भी शामिल है जहां से वर्तमान में सुप्रिया सुले सांसद हैं. एनसीपी के कब्जे वाली अन्य सीटों पर नजर डालें तो सतारा से श्रीनिवास दादासाहेब पाटिल, शिरूर से अमोल कोल्हे और रायगढ़ से सुनील दत्तात्रेय तटकरे सांसद हैं.

वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के कब्जे वाली पांच लोकसभा सीटों में से जिन 3 को बीजेपी अपने लिए कमजोर मान रही हैं. उनमें अरविंद सांवत की मुंबई दक्षिण, विनायक राउत की रत्नागिरी- सिंधुदुर्ग और ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ राजेनिम्बालकर की उस्मानाबाद लोक सभा सीट शामिल है.

भिवंडी पुलिस की बड़ी कार्रवाई!

चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद, आठ गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर चोरी की 18 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भिवंडी के सहायक पुलिस आयुक्त किशोर खैरनार ने बताया कि सभी आरोपियों को चोरी के 18 मामलों में उनकी कथित भूमिका को लेकर हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर दोपहिया वाहन भिवंडी से चोरी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरोह ने ठाणे, मीरा-भायंदर, वसई-विरार और मुंबई पुलिस की सीमा में आने वाले कुछ इलाकों को भी निशाना बनाया है, साथ ही इन इलाकों से भी मोटरसाइकिल चोरी की है।

कल्याण आरपीएफ ने की बड़ी कार्रवाई

फरार आरोपी को देशी कट्टा और 4 कारतूस के साथ मंगला एक्सप्रेस से किया गिरफ्तार

कल्याण : जलगांव कोर्ट में हत्या करने गए दो अभियुक्तों में से फरार एक आरोपी को कल्याण आरपीएफ की स्कॉट टीम ने हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ के पुलिस स्टेशन प्रभारी भूपेंद्र सिंह के अनुसार सुरेश रवि इंधाते नामक अभियुक्त मंगला एक्सप्रेस से उतर रहा था। जिसे आरपीएफ स्कॉट टीम के सब इंस्पेक्टर पी.पी. शेगांवकर, हेड कांस्टेबल आर.बी.माजरे और महिला आरक्षक कविता सोलंकी ने गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान इसके पास से एक देशी कट्टा और 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए है। बताया जाता है कि आरोपी सुरेश इंधाते अपने साथीदार मनोहर आत्माराम सुरडकर के साथ सोमवार दोपहर को हत्या के इरादे से जलगांव कोर्ट में गया था। साल 2021 में मनोहर सुरडकर नामक अभियुक्त के लड़के की हत्या हुई थी। सोमवार को हत्याभियुक्त की पेशी थी। मनोहर सुरडकर बेटे की हत्या का बदला लेना चाहता था। इसलिए बेटे के हत्यारे को कोर्ट में ही मारने की इरादे से मनोहर सुरडकर अपने साथी सुरेश रवि इंधाते के साथ बुर्का पहनकर कोर्ट में घुस गया। मनोहर वारदात को अंजाम दे पाता उसके पहले ही जलगांव पुलिस को पता चल गया और बुकाधारी दो अभियुक्तों में से एक मनोहर सुरडकर को जलगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

महाराष्ट्र में जेल से फोन पर बात कर सकेंगे कैदी, मिलेगी इतने मिनट की सुविधा

मुंबई: महाराष्ट्र की जेलों में बंद कैदियों और उनके परिजनों के लिए गुड न्यूज है। अपर महानिदेशक (जेल) अमिताभ गुप्ता द्वारा यह निर्देश जारी किया गया है कि जिन कैदियों के वकील उनसे जेल में मिलने नहीं आते हैं, वो कैदी अब पूरे महीने में दो बार में कुल 10 मिनट तक अपने वकील से उनके फोन पर बातचीत कर सकेंगे, हालांकि सुरक्षा के लिए उनकी यह बातचीत रिकॉर्ड की जाएगी। जेल प्रशासन ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि जिन कैदियों के परिवार के सदस्य शारीरिक मुलाकातों (बैठकों) के दौरान उनसे मिलने में असमर्थ हैं। उन कैदियों को जेलों से महीने में तीन बार 10 मिनट के लिए कॉइन बॉक्स सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि यह आदेश उन कैदियों के तनाव को कम करने के लिए

दिया गया है, जिनके परिवार के सदस्यों या वकील उनसे मुलाकात के लिए जेल में नहीं आतें हैं। कैदियों के मानसिक तनाव का एक बड़ा कारण यह भी है कि कई कैदियों से उनके परिवार के सदस्य बहुत कम मिलने आते है, क्योंकि अगर वे दूर रहते हैं तो आर्थिक स्थिति की वजह से वह नियमित मिलने नहीं आ पाते हैं। ज्यादातर मामलों में, कैदियों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं होती है, इसके लिए उनके वकीलों से उनकी नियमित मुलाकात नहीं होती है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों के बाद पार्टी नेताओं के ऐसे वक्तव्यों पर आश्चर्य नहीं कि उन्हें इस तरह के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। चूंकि ईडी की यह कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं। वैसे यह अधिवेशन न होता तो भी यह तय था कि कांग्रेस की ओर से ईडी को कोसा जाता और यह आरोप लगाया जाता कि केंद्रीय एजेंसियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तव में यह वह आरोप है, जो हर उस राजनीतिक दल की ओर से उछाला जाता है जिसके नेता ईडी, सीबीआइ अथवा आयकर विभाग की जांच के दायरे में आते हैं।

केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर भले ही यह वातावरण बनाया जाए कि उनका राजनीतिक उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आम जनता पर उसका असर मुश्किल से ही पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जनता इससे अच्छी तरह परिचित है कि नेताओं और नौकरशाहों के बीच भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है? छत्तीसगढ़ में जो छापेमारी हुई, वह अवैध कोयला खनन के मामले में हुई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पता नहीं इस घोटाले का सच क्या है, लेकिन आज कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है। नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्ट तत्व पात-पात।

राजनीतिक दल कुछ भी कहें, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के दौरान नेताओं और नौकरशाहों के यहां अकूत संपदा मिलने के प्रसंग भूले नहीं जा सकते। निश्चित रूप से भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन वह केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि केंद्रीय एजेंसियां जिस तत्परता से भ्रष्ट तत्वों के यहां छापेमारी करती हैं, वह आगे नहीं नजर आती। प्राय: घपले-घोटालों की जांच इतनी लंबी खिंचती है कि लोगों की संबंधित मामले में रुचि नहीं रह जाती। इसका कोई औचित्य नहीं कि भ्रष्ट तत्वों को सजा मिलने में जरूरत से ज्यादा देर हो। फिलहाल ऐसी ही स्थिति है। इसी कारण न तो भ्रष्ट तत्वों के दुस्साहस का दमन हो पा रहा है और न ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई कमी आती दिख रही है। यदि भ्रष्टाचार पर प्रभावी ढंग से लगाम लगानी है तो ऐसी व्यवस्था करनी ही होगी, जिससे भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे नेताओं और नौकरशाहों को यथाशीघ्र सजा मिले। आवश्यक केवल यह नहीं कि एजेंसियां अपनी जांच शीघ्र पूरी करें और निचली अदालतें जल्द फैसला सुनाएं। आवश्यक यह भी है कि उच्चतर अदालतें भी अपना काम शीघ्रता से निपटाएं। अभी ऐसा नहीं हो रहा है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

तालाब में डूबने से शख्स की मौत

वसई : वालीव पुलिस स्टेशन अंतर्गत फनसपाडा स्थित तालाब ने डूबने से एक 30 वर्षीय सख्स की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया हैं। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व के खैरपाडा निवासी मिथुन इकबाल शेख (30) नामक शख्स की घटना की दोपहर लगभग 12:30 बजे के आसपास फनसपाडा तालाब में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही मोके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। संबंधित मामले में पुलिस सीआरपीसी कलम 174 के तहत केस दर्ज कर आगे की करवाई में जुट गयी हैं.

लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र होगा भाजपामुक्त! - नाना पटोले

मुंबई : 'आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा एक भी सीट पर चुनकर नहीं आएगी, महाराष्ट्र भाजपामुक्त होगा' ऐसा विश्वास कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक नाना पटोले ने व्यक्त किया। महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार रवींद्र धंगेकर के प्रचार में पुणे गए नाना पटोले ने मीडिया से बातचीत करते हुए उक्त बातें कहीं। चुनाव आने पर नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों चलते रहते हैं लेकिन दूसरे मौके पर वे कहीं नजर नहीं आते। दो दिन पहले अमित शाह ने पुणे में बयान दिया था कि उन्होंने संकल्प लिया है कि लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की सभी सीटों पर भाजपा जीत हासिल करेगी। लेकिन देश और प्रदेश की जनता मोदी और शाह को अच्छी तरह से जानती है। हाल ही में हुए स्नातक और शिक्षक परिषद चुनावों में भाजपा को जनता ने नकार दिया है। कसबा और चिंचवड उपचुनाव में भी भाजपा

को हार का सामना करना पड़ेगा। इसलिए आगामी लोकसभा चुनाव में एक भी सीट पर नहीं चुनी जाएगी और महाराष्ट्र भाजपामुक्त होगा, ऐसे शब्दों में पटोले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की आलोचना की। पटोले ने आगे कहा कि भाजपा सांसद गिरीश बापट से कुछ दिनों पहले मिला था, तबीयत ठीक नहीं थी। गिरीश बापट को आराम की आवश्यकता थी। लेकिन भाजपा नेतृत्व ने बापट को कसबा विधानसभा के उपचुनाव में प्रचार के लिए उतारा है। इसी से भाजपा नेतृत्व की मानसिकता दिखाई देती है। साथ ही अमित शाह को भी पुणे आना पड़ा। इससे साफ है कि भाजपा नेतृत्व के पैरों तले रेत खिसक गई है, ऐसा पटोले ने कहा। केंद्रीय मशीनरी को अपने कब्जे में लेकर भाजपा ने शिंदे गुट को शिवसेना की कमान सौंप दी है। लेकिन अब तक देश में जब भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, तब लोगों ने ऐसी पार्टी को नकार दिया है। एकनाथ शिंदे के साथ भी ऐसा ही होगा, ऐसा पटोले ने कहा।

वायु प्रदूषण से करीब 14 हजार नागरिकों की मौत

मुंबई : मुंबई में वायु प्रदूषण दिन-ब-दिन चिंता का विषय बनता जा रहा है। शहर में हवा जहरीली बनती जा रही है। आलम यह है कि प्रदूषित हवा के कारण मुंबईकरों का दम घुट रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले दो वर्षों में वायु प्रदूषण से करीब १४ हजार नागरिकों की मौत हो चुकी है। इतने कम समय में इतनी मौतों का होना वायु प्रदूषण को कोरोना से भी ज्यादा भयानक माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की तुलना में मुंबई की हवा की गुणवत्ता काफी समय से बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। सोमवार की शाम मुंबई की एक्यूआई २१५ स्तर पर यानी खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। इतना ही नहीं शहर में वायु गुणवत्ता खराब होने से मुंबईकरों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे वायरल और श्वसन संक्रमण सहित लोगों को आंखों में जलन, आंखों में पानी, सूखापन, बुखार, एलर्जी, गले में खराश, सूजन, खांसी आदि का भी सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि ऐसी स्थिति में मुंबईकरों को सावधान रहने की जरूरत है। देश में प्रदूषण के कारण हर साल लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। इनमें से करीब १८ फीसदी मौतें अकेले वायु प्रदूषण के कारण होती है। बढ़ते प्रदूषण का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। नागरिकों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के कारण यह उत्पादकता को प्रभावित करता है।

१२वीं की परीक्षा पर मंडराने लगा शिक्षकेतर कर्मचारियों के हड़ताल का साया

मुंबई : शिक्षकेतर कर्मचारियों के हड़ताल का साया १२वीं की परीक्षा पर मंडराने लगा है। राज्य विश्वविद्यालयीन व महाविद्यालयीन सेवक संयुक्त कृति समिति के नेतृत्व में राज्यभर में यूनिवर्सिटी और कॉलेजों के शिक्षकेतर कर्मचारी कल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के चलते शिक्षकेतर कर्मचारी १२वीं परीक्षा से संबंधित एक भी काम नहीं करने के अपने पैछसले पर अडिग हैं। इसलिए मंगलवार से शुरू हो रही १२वीं की परीक्षा के आयोजन में प्राचार्य और शिक्षकों के सामने एक चुनौती है। कई कॉलेजों ने अनुबंध के आधार पर शिक्षकेतर कर्मचारियों को परीक्षा कार्य की जिम्मेदारी सौंपी है। ठेका कर्मियों को परीक्षा अवधि में अवकाश नहीं लेने के भी निर्देश दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ हुई बैठक में कोई हल नहीं निकलने के संयुक्त कृति समिति अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के पैछसले पर अडिग है। इस हड़ताल से अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि राज्य के १२वीं के लाखों छात्र प्रभावित होंगे। मुंबई के अधिकांश कॉलेजों में शत-प्रतिशत शिक्षकेतर कर्मचारियों

ने हड़ताल में हिस्सा लिया है। इससे कॉलेजों में सभी गैर शैक्षणिक गतिविधियां ठप पड़ी हैं। कई कॉलेज परीक्षा कार्य में संविदा कर्मियों की मदद ले रहे हैं। हड़ताल के पहले दिन सोमवार को कॉलेजों के प्रवेश द्वार पर धरना दे रहे कर्मचारियों को पुलिस की तरफ से नोटिस दिया गया। पुलिस ने निर्देश दिया है कि हड़ताली कर्मचारी आज होने वाली परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की नारेबाजी कर हंगामा न करें।

विषय के आधार पर हर दिन बैठक की व्यवस्था बदलती है। पेस्टिंग का काम शिक्षकेतर कर्मचारी करता है। मुख्य परीक्षा केंद्र से प्रश्नपत्रों और उत्तर पुस्तिकाओं के सीलबंद लिफाफे लेने के लिए शिक्षकों के साथ दो शिक्षकेतर कर्मचारी जाते हैं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार, 22 फरवरी 2023

पांच करोड़ यात्रियों की प्राइवेसी

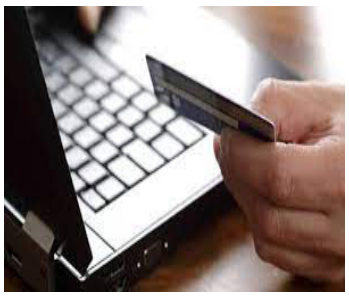

मुंबई : पीएम नरेंद्र मोदी देश को डिजिटल बनाना चाहते हैं इसके लिए उन्होंने तमाम सरकारी संस्थानों में ऑनलाइन सेवा शुरू की है। हालांकि,ऑनलाइन होने से सबसे ज्यादा खतरा लोगों की प्राइवेसी को हो रहा है। इसके मद्देनजर हैकरों ने अब सरकारी डाटा को हैक कर पांच करोड़ हिंदुस्थानियों को निशाना बनाया है। दरअसल, देश के सबसे बड़े रेल विभाग के 'रेल यात्री ऐप' को कथित रूप से हैक करने की घटना सामने आई है। इसमें यूजर्स के नाम, ईमेल आईडी, फोन नंबर और उनकी लोकेशन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी शामिल हैं। यात्रियों के डाटा को डार्कवेब पर सेल किया जा रहा है। जबकि सायबर पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। रेल यात्री मोबाइल ऐप आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) का अधिकृत ऐप है, जिसके जरिए ट्रेनों के टिकट बुक कराने, पीएनआर स्टेटस की जानकारी लेने और ठहरने के लिए अतिथिगृह की बुकिंग कराई जाती है। हैकरों ने कथित रूप से रेल यात्री ऐप में सेंध लगाकर करीब ३.१ करोड़ अनुमानित डाटा प्वाइंट का एक सेट डार्कवेब पर बिक्री के लिए रखा था। यूनिट ८२ के नाम से पहचाने गए एक हैकर ने इस बारे में पोस्ट साझा कर जानकारी दी। हैकर ने दावा किया कि डाटा दिसंबर २०२२ में हैक करने के बाद एकत्र किया गया था। यूनिट ८२ ने एक लिंक भी साझा किया, जहां डाटा को खरीदने के लिए उनसे संपर्क किया जा सकता है।

सेल्फी के लिए सोनू निगम से धक्का-मुक्की

स्टेज से उतरते समय सिंगर और उसके दोस्तों को धक्का दिया, विधायक के बेटे पर केस दर्ज

मुंबई : मुंबई के चेंबूर इलाके में लाइव कंसर्ट के दौरान सिंगर सोनू निगम के साथ धक्का-मुक्की की गई। घटना सोनू के साथ सेल्फी लेने पर हुई थी। आरोप उद्धव गुट के विधायक प्रकाश फटरपेकर के बेटे पर लगा है। घटना के बाद सोनू ने सोमवार देर रात पुलिस स्टेशन पहुंचकर आरोपी के खिलाफ FIR कराई। इसमें चोट पहुंचाने, गलत तरीके से रोकने की शिकायत की गई। अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह घटना चेंबूर फेस्टिवल में फिनाले के दौरान हुई। सोनू निगम परफॉर्म कर रहे थे। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, विधायक प्रकाश फटरपेकर के बेटे ने पहले तो सोनू के मैनेजर सायरा संग बदतमीजी की। बाद में जब सोनू निगम स्टेज से नीचे आ रहे

थे तो उसने पहले सिंगर के बॉडीगार्ड को धक्का दिया और फिर सोनू को भी धक्का मारा। ऊढ हेमराज सिंह राजपूत के मुताबिक, आरोपी का नाम स्वप्निल फटरपेकर है। सोनू ने कहा, 'कंसर्ट के बाद मैं स्टेज से नीचे आ रहा था कि एक व्यक्ति स्वप्निल ने मुझे पकड़ लिया। फिर उसने हरि और रब्बानी (दोनों सोनू सूद के साथी हैं) को धक्का दिया जो मुझे बचाने आए थे। मैं सीढ़ियों पर गिर पड़ा। मैंने शिकायत दर्ज कराई है, ताकि लोग जबरदस्ती सेल्फी लेने और हाथापाई करने के बारे में न सोचें। अगर कुछ लोहे की रॉड पड़ी होतीं तो रब्बानी की मौत हो सकती थी। उसे इस तरह से धक्का दिया गया था। आप वीडियो में देख सकते हैं कि मैं भी गिरने वाला था।'

DCP बोले- हम जांच कर रहे

DCP राजपूत ने कहा, 'मैंने सोनू निगम से बात की है। अब तक हमें ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह पता लगाया जा सके कि वाकई आरोपी सेल्फी लेना चाहता था या कोई और वजह है। हम कारण का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।'

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- मामूली हाथापाई हुई, यह हमला नहीं

शिवसेना (उद्धव ठाकर गुट) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने बातचीत में कहा कि यह हमला नहीं है। स्थानीय विधायक का बेटा सोनू निगम के परफॉर्मेंस के बाद उनके साथ सेल्फी के लिए जा रहा था,,लेकिन सोनू के बॉडीगार्ड ने उसे नहीं पहचान पाने के कारण रोक दिया। इस पर उनके बीच मामूली हाथापाई हो गई। जिसके कारण एक या दो लोग स्टेज से गिर गए। इस बीच, विधायक की बेटी और BMC की पूर्व पार्षद बीच में आईं और उन्हें रोका।

खारघर और आसपास 24 घंटे जलापूर्ति बंद!

नई मुंबई : सिडको प्रशासन ने सिडको के हेटवने बांध के मुख्य जल वाहिनी के रखरखाव का काम शुरू किया है। इस कार्य के चलते खारघर, तलोजा, उल्वे और द्रोणागिरी क्षेत्रों में बुधवार, 22 फरवरी को 24 घंटे जलापूर्ति नहीं होगी। मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह 9 बजे से गुरुवार सुबह 9 बजे तक उक्त परिसरों में पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। इसे के साथ अगले दो दिनों तक कम दबाव से पानी की आपूर्ति की जाएगी। सिडको के जल आपूर्ति विभाग ने नागरिकों से पानी का संयम से उपयोग करने की अपील की है।

देशी कट्टा संग तस्कर गिरफ्तार

नालासोपारा : तुलिज पुलिस स्टेशन अंतर्गत तुलिज श्मशानभूमि के पास पुलिस ने एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। जानकारी के अनुसार तुलिंज पुलिस स्टेशन की अपराध शाखा टीम ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर तुलिंज श्मशानभूमि के पास रविवार को एक देशी कट्टा व 2 जिंदा कारतूस के साथ जियालाल विजयराज जयस्वाल को गिरफ्तार किया हैं। संबंधित मामले में पुलिस गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ आर्म एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं।

महंगाई दर रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई : देश में खुदरा महंगाई दर रिकॉर्ड स्तर पर है। इस बीच दूध की कीमतों में वृद्धि हुई है। इस कारण आम आदमी का बजट प्रभावित हो रहा है। दूध का भारतीय परिवारों में काफी अधिक उपयोग होता है। इसलिए कीमतों में यह बढ़ोतरी आम और खास सबको सीधे तौर पर प्रभावित करती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में दूध के दामों में पांच बार बढ़ोतरी हुई है। महंगे दूध का असर केवल दूध की महंगाई तक सीमित नहीं है। दूध के दामों में बढ़ोतरी के चलते घी, पनीर, खोआ से लेकर दही, लस्सी महंगे हो चुके हैं। मिठाइयों से लेकर बिस्कुट-चॉकलेट भी महंगे हो चुके हैं।

हिंदुस्थान १८.५ करोड़ टन वार्षिक दूध उत्पादन के साथ विश्व में प्रथम स्थान पर है। हम दूध के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि दुग्ध उत्पादों को अन्य देशों के बाजारों में निर्यात करने की स्थिति में भी हैं। यदि दूध समेत पशुपालन से होनेवाली संपूर्ण आमदनी का आकलन करें तो २८ लाख करोड़ रुपए की कृषि जीडीपी में दूध और पशुपालन क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग ३० प्रतिशत है। दूध के दामों के बढ़ोतरी की तीन बड़ी वजह हैं। दूध की बढ़ती मांग, लागत में बढ़ोतरी और ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट। इन तीन कारणों के चलते दूध की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। देश में पशुओं के लिए चारे की कमी है। मांग बढ़ने और सप्लाई सीमित होने के चलते दाम बढ़े हैं। गेहूं और मक्का पशुओं के चारे का मुख्य जरिया है। बीते वर्ष भीषण गर्मी के चलते गेहूं के उत्पादन में गिरावट के कारण उससे निकलने वाले भूसे की सप्लाई घटी है तो मक्के का इस्तेमाल ईथेनॉल बनाने में होने लगा है, जिससे इन चीजों की सप्लाई घटने के साथ कीमतें बढ़ी हैं। दूध के बने प्रोडक्ट्स की मांग भी बढ़ी है। डेयरी प्रोडक्ट्स बनानेवाली कंपनियां पहले के मुकाबले ज्यादा दूध खरीद रही हैं और वे ऊंचे दामों पर किसानों से दूध खरीद रहे हैं। ऐसे में डेयरी कंपनियां लागत में बढ़ोतरी का भार सीधे ग्राहकों पर डाल रही हैं, जिसके चलते दूध के दाम बढ़े हैं।

एक अनुमान के अनुसार, इस वक्त लगभग एक करोड़ बेसहारा पशु हैं, जो दुधारू पशुओं के हरे चारे को बड़ी मात्रा में चट कर जाते हैं। पशु-आहार में काम आनेवाली फसलों को भी वे नुकसान पहुंचाते हैं, इससे दुधारू पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता घट जाती है। इससे चारा महंगा हो जाता है और दुग्ध उत्पादन की लागत बढ़ जाती है। भारतीय चरागाह और चारा अनुसंधान संस्थान के अनुसार, देश में हरे चारे की ६४ प्रतिशत और सूखे चारे की २४ प्रतिशत कमी है, वहीं पिछले कुछ वर्षों में पशु-आहार जैसे खल, चूरी, छिलका आदि के दाम भी काफी बढ़े हैं, जिस कारण दुग्ध उत्पादन की लागत में काफी वृद्धि हुई है। कुछ प्रमुख दूध उत्पादक राज्यों में मवेशियों में बीमारी के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। पशुओं में होनेवाला ऐसा ही एक रोग लंपी त्वचा रोग है। इस बीमारी से ग्रस्त पशुओं के दूध उत्पादन में गिरावट आती है। गुजरात, पंजाब और हरियाणा राज्यों में इस बीमारी से पशु मालिक इस वक्त खासे परेशान हैं। इसके साथ ही परिवहन, रसद, जनशक्ति और ऊर्जा लागत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इनपुट लागत में वृद्धि की वजह से दूध खरीद की दरों में बीते साल की समान अवधि की तुलना में १५-२५ फीसदी की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि कोविड महामारी का असर डेयरी उद्योग पर भी पड़ा था।

जेजे अस्पताल में डॉक्टरों की है भारी कमी, मरीजों को मिल रही है तारीख पे तारीख!

मुंबई : कहीं दवाओं की कमी है तो कहीं पर चिकित्सकों और अन्य सुविधाओं का अभाव है। इन कमियों के चलते रोजाना मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में से एक जे. जे. एनेस्थेटिस्ट चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है, जिसका सीधा असर अस्पताल में होनेवाली तमाम सर्जरियों पर पड़ रहा है। ऐसे में मजबूरन डॉक्टरों को रोजाना ५० फीसदी सर्जरियों को टालना पड़ रहा है। आलम यह है कि इलाज के लिए आनेवाले मरीजों को सर्जरी के लिए तारीख पे तारीख दी जा रही है। कुछ मामलों में तो मरीजों को सर्जरी के लिए छह महीने बाद का समय दिया जा रहा है, जो अचंभित करनेवाला है। मुंबई के सबसे मशहूर मेडिकल कॉलेजों में से एक जे.जे. अस्पताल की गिनती बड़े अस्पतालों में होती है। इस अस्पताल में मुंबई और महाराष्ट्र समेत देशभर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। जे.जे. अस्पताल में बदहाली की परतें दिन ब दिन खुल रही हैं। मरीजों के रिश्तेदार परिसर में यहां-वहां आराम फरमाते नजर आते हैं, जिससे यहां आने-जानेवाले लोगों को परेशानी होती है। इसके अलावा ओपीडी से लेकर इमरजेंसी और अस्पताल में भर्ती मरीज असुविधाओं की मार झेल रहे हैं। यहां तक कि आईसीयू में भर्ती मरीज भी बदहाली से अछूते नहीं हैं। इतना ही नहीं, अस्पताल में सर्जरी कराने के लिए आनेवाले मरीजों का भी हाल-बेहाल है। ऐसे मरीजों को एनेस्थेटिस्ट विशेषज्ञों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इनकी कमी के चलते मरीजों की सर्जरियों की तारिखों को आगे खिसकाई जा रही है, जो परेशानी का सबब बनता जा रहा है। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, निश्तेचक विभाग में प्राध्यापकों के छह पद खाली पड़े हैं। अस्पताल में परिस्थिति ऐसी है कि करीब आठ एनेस्थेटिस्ट प्राध्यापकों के कंधों पर छात्रों और मरीजों की जिम्मेदारी है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार, 22 फरवरी 2023

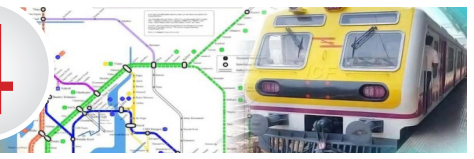

सब्जी मंडी में लगी आग, दो टेम्पो सहित 90 स्टॉल हुए जलकर खाक

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे शहर में बीती रात एक सब्जी मंडी में आग लग गई जिसमें करीब 90 स्टॉल क्षतिग्रस्त हो गए और दो टेम्पो जलकर खाक हो गए। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना हडपसर उपनगर में हंडेवाड़ी क्षेत्र के चिंतामणि नगर स्थित बाजार में रात करीब 1.45 बजे हुई जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अधिकारियों ने कहा कि आग से करीब 90 स्टॉल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बड़ी मात्रा में सब्जियां भी जल गईं। उन्होंने कहा कि इस घटना में दो टेंपो भी जलकर खाक हो गए। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और 25 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया।

'कुछ लोग मेरी जासूसी कर रहे हैं...

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का दावा

मुंबई : शिवसेना का नाम और निशान मिलने के बाद से जहां एक तरफ महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई हुई है। वहीं, अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने दावा किया है कि उनकी कोई जासूसी कर रहा हैं। चव्हाण ने 20 फरवरी को एक बयान में कहा कि कुछ प्राइवेट और ठेके पर रखे गए लोग उनकी जासूसी कर रहे हैं।

बदनाम करने की कोशिश की जा रही है

कांग्रेस नेता ने ये भी कहा कि उनके अधिकारिक पत्रों के जरिए उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही हैं। उन्होंने ये भी कहा कि ये सभी प्रयास उन्हें नुकसान पहुंचाने की साजिश का हिस्सा हो सकते हैं और पुलिस को अपराध दर्ज करना चाहिए।

सीएम एकनाथ शिंदे ने दिया जांच कराने का भरोसा

इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पूर्व सीएम अशोक चव्हाण को जांच का भरोसा दिया है। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्होंने अशोक चव्हाण से इस बारे में बात की है और उन्हें जांच का आश्वासन दिया है।

ट्वीट पर लिखा- कुछ लोग मेरी जासूसी कर रहे हैं

अशोक चव्हाण ने ट्वीट किया, 'कुछ लोग मेरी जासूसी कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि एक व्यक्ति मेरी बैठकों, यात्रा योजनाओं आदि का विवरण इक्टठा कर रहा है। संभावना है कि मेरे खिलाफ कुछ नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है। पुलिस को इसका संज्ञान लेना चाहिए और उचित कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।' चव्हाण ने ये भी दावा किया है कुछ अज्ञात लोगों ने उनकी आधिकारिक पत्रों की सामग्री में भी बदलाव किया।

पुलिस को दी है सूचना

अशोक चव्हाण ने इस मामले की सूचना पहले नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक को दी थी। चव्हाण को संदेह है कि दस्तावेजों की जालसाजी का इस्तेमाल कुछ चुनावों से पहले किसी को बदनाम करने के लिए किया जा सकता है।' चव्हाण ने कहा कि पुलिस 31 जनवरी से उनकी शिकायत की जांच कर रही है और उन्हें मराठा कोटा के मुद्दे पर तत्कालीन सीएम ठाकरे को ''संबोधित'' करने का एक और फर्जी पत्र मिला था।

कल्याण में शिंदे गुट और केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ ठाकरे गुट हुआ आक्रामक

कल्याण : केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा शिंदे गुट को शिवसेना पार्टी का नाम और धनुष-बाण का चुनाव चिन्ह दिए जाने के बाद से उद्धव ठाकरे गुट की हर जगह तीखी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। यह आरोप लगाते हुए कि केंद्रीय चुनाव आयोग ने ठाकरे गुट के साथ अन्याय किया है। केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ राज्य भर में एक विरोध आंदोलन शुरू किया गया था। चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ शिवसेना के ठाकरे गुट ने कल्याण पूर्व में कोलसेवाडी शहर शाखा के सामने सड़कों पर उतरकर केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस आंदोलन में ठाकरे गुट के उप जिला प्रमुख हर्षवर्धन पालांडे, शहर प्रमुख शरद पाटिल, नारायण पाटिल, प्रकाश जाधव, आशा रसाल, राधिका गुप्ते, सचिन राणे, दत्ताराम नार्वेकर, दीपक अजगांवकर , परशुराम कदम, देवेंद्र प्रसाद, अशोक खंडांगले, रमेश यादव, प्रभाकर पाटिल, मनोहर राणे आदि पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाग लिया। इस मौके पर मौजूद शिवसैनिकों ने केंद्रीय चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि शिंदे गुट को फायदा पहुंचाने के लिए केंद्र की बीजेपी सरकार स्वायत्त निकाय का दुरुपयोग कर रही है। राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार को बचाने के लिए केंद्र सरकार पर केंद्रीय चुनाव आयोग का भी दुरुपयोग करने का आरोप ठाकरे गुट ने लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र का गला घोंटने का सिलसिला कई दिनों से चल रहा है। लेकिन इस फैसले के बाद यह हद से ज्यादा हो गया है।

ठाणे में बैंक की एसी यूनिट में आग लगी, कोई हताहत नहीं

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक राष्ट्रीयकृत बैंक की वातानुकूलन (एसी) इकाई में मंगलवार सुबह आग लग गई। निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख अविनाश सावंत ने बताया कि नौपाड़ा इलाके में स्थित बैंक की एसी इकाई में

सुबह 10.20 बजे आग लग गई जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय दमकलकर्मियों और आरडीएमसी की टीम को मौके पर भेजा गया तथा आधे घंटे से भी कम समय में आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी के मुताबिक, फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जावेद अख्तर ने पाकिस्तान को उसी के देश में सुनाई खरी-खरी,

26/11 मुंबई हमले के गुनहगार अब भी हैं आजाद

महाराष्ट्र : लेखक-गीतकार जावेद अख्तर ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को उसी के देश में आईना दिखाया है। जावेद अख्तर ने लाहौर में कहा कि भारत की ओर से सबूत देने के बावजूद 26/11 मुंबई हमले के गुनहगार अभी तक पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। जावेद अख्तर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

मुंबई में 26/11 के हमलों को

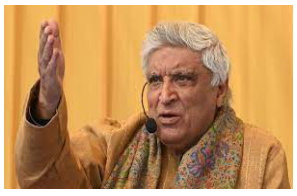

याद करते हुए जावेद अख्तर ने कहा, हमने देखा कि मुंबई पर कैसे हमला किया गया। वे अभी भी आपके देश में खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत द्वारा पाकिस्तानी कलाकारों नुसरत फतेह अली खान और मेहदी हसन के लिए बड़े आयोजन किए जाने के बावजूद पाकिस्तान ने कभी भी लता मंगेशकर के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया।

जावेद अख्तर हाल ही में मशहूर उर्दू कवि फैज अहमद फैज की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए लाहौर में थे। इस दौरान दर्शकों में से एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि आप कई बार पाकिस्तान आए हैं।

महाराष्ट्र में जमीन के लालच में चाचा ने 4 साल की भतीजी को नदी में फेंका, हुई दर्दनाक मौत

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है. दरअसल, पूरा मामला 6 एकड़ जमीन को लेकर शुरू हुआ है. 6 एकड़ जमीन के लालच में चाचा ने अपनी 4 साल की भतीजी को नदी में फेंक दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, सोलापुर जिले के मोहोल तहसील के रहने वाले यशोदीप धाकने अक्सर अपने बड़े भाई को धमकी दिया करता था कि अगर मां के नाम की गई 6 एकड़ जमीन उसके नाम से नहीं की

गई तो वो उसके वंश को खत्म कर देगा.

दरअसल, यशोदीप धाकने के पिता के पास कुल 16 एकड़ जमीन थी. 16 एकड़ जमीन में से 5- 5 एकड़ जमीन दोनों भाइयों में बांटा गया था. बची हुई 6 एकड़ जमीन मां के नाम पर की गई थी. यशोदीप धाकने ये चाह रहा था कि मां के नाम से जो 6 एकड़ जमीन रजिस्टर्ड है...वो उसके नाम पर कर दी जाए. इसी बात को लेकर अक्सर दोनों भाइयों में झगड़ा हुआ करता था.

20 फरवरी यानी कल के दिन भी इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच में अनबन शुरू हुआ. कुछ देर बाद जब यशोदीप धाकने का बड़ा भाई अपनी मां और पत्नी के साथ किसी काम के सिलसिले में घर से बाहर गए तो ठीक उसी समय यशोदीप धाकने ने अपने बड़े भाई यशोधन धाकने की चार साल की बेटी ज्ञानदा को नदी में फेक दिया.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com